

दुष्प्रचार

यह संसाधन दुष्प्रचार पर केंद्रित है, अर्थात ऐसी जानकारी जो जानबूझकर धोखा देने और नुकसान पहुंचाने के लिए निर्मित या साझा की जाती है।

भ्रामक जानकारी ऐसी झूठी या गलत जानकारी होती है जो धोखा देने या नुकसान पहुंचाने के इरादे के बिना साझा की जाती है।

न्यूज़ीलैंड सिक्योरिटी इंटेलिजेंस सर्विस (एनजेडएसआईएस अर्थात न्यूज़ीलैंड सुरक्षा खुफिया सेवा) ने दुष्प्रचार को ऐसी जानकारी माना है जो जानबूझकर गलत या भ्रामक हो और जिसका लक्ष्य नुकसान पहुंचाना या कोई व्यापक उद्देश्य हासिल करना हो। इसे प्रायः ऑनलाइन या सोशल मीडिया पर फैलाया जाता है, लेकिन यह टेलीविजन, रेडियो, खबरों या अखबारों में भी दिख सकती है।

विदेशी देश और उनके प्रॉक्सी, जनता और समुदायों को नुकसानदेह तरीकों से प्रभावित करने और गुमराह करने के लिए, विदेशी हस्तक्षेप के एक भाग के रूप में दुष्प्रचार का उपयोग कर सकते हैं।

दुष्प्रचार कैसे फैल सकता है

दुष्प्रचार कई तरीकों से फैल सकता है, जिनमें निम्न शामिल हैं:

- **ऐसे मैसेजिंग ऐप्स और कम्युनिटी नेटवर्क**, जिनमें लोगों के लिए भरोसेमंद संपर्कों के बीच जानकारी को प्रायः फॉरवर्ड किया जाता है।
- **कम्युनिटी या हित समूहों** में साझा की जाने वाली सामग्री, जिस पर लोग अधिक भरोसा कर सकते हैं क्योंकि यह परिचित स्रोत से आती है या ऐसी भाषा में होती है जिसे वे समझते हैं।
- **न्यूज़ीलैंड के बाहर के मीडिया या स्रोत से मिली जानकारी**, जो न्यूज़ीलैंड के मीडिया या संदर्भों के अनुरूप नहीं हो सकती हो।
- **सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म**, दुष्प्रचार को तेजी से फैला सकते हैं, विशेषकर छोटी अवधि वाली सामग्री जैसे कि टिकटॉक वीडियो, इंस्टाग्राम रील्स, या ट्विटर/एक्स थ्रेड्स।
- **इन्फ्लुएंसर और माइक्रो-इन्फ्लुएंसर** दुष्प्रचार को फैला सकते हैं क्योंकि उनके पास ज्यादा या भरोसा करने वाले फॉलोअर होते हैं।
- **सर्च इंजन और प्लेटफॉर्मों पर सिफारिशें**, उपयोक्ताओं को दुष्प्रचार दिखा सकते हैं, चाहे उन्होंने उसकी खोज न की हो।
- **ऑफलाइन साझा करना**, जैसे कि कार्यस्थल, स्कूलों या समुदायों में छपे हुए पर्चे, पोस्टर, या बातचीत के माध्यम से।

दुष्प्रचार के प्रकार

विदेशी देश दुष्प्रचार का उपयोग विदेशी हस्तक्षेप के तौर पर कर सकते हैं। यहां कुछ ऐसे सामग्री के उदाहरण दिए गए हैं जो **जानबूझकर लोगों को गुमराह** करने के लिए उपयोग की जा सकती है:

- **भ्रामक वायरल सामग्री:** ऐसी ऑनलाइन सामग्री जो जानबूझकर ध्यान खींचने और लोगों से लिंक पर क्लिक कराने के लिए बनाई जाती है, जिसमें प्रायः भ्रामक या बढ़ा-चढ़ाकर दावे किए जाते हैं।
- **कपटपूर्ण, बढ़ा-चढ़ाकर या झूठे शीर्षक:** ऐसे शीर्षक जो लोगों को भ्रमित करने के लिए जानकारी को जानबूझकर तोड़-मरोड़कर, बढ़ा-चढ़ाकर या गलत तरीके से दिखाते हैं।
- **जानबूझकर अनुचित या हेरफेर वाली पत्रकारिता:** भरोसेमंद रिपोर्टिंग के रूप में दिखाए जाने वाले आलेख जिनमें उचित खोजबीन, साक्ष्यों या तथ्यों की जाँच का जानबूझकर अभाव हो।
- **प्रतिष्ठा को हानि पहुँचाने वाली गलत जानकारी:** किसी व्यक्ति की प्रतिष्ठा को हानि पहुँचाने या बदनाम करने के लिए अभियान चलाने के लिए जानबूझकर निर्मित सामग्री जो प्रायः ऐसे लोगों को लक्षित होती है जो किसी दूसरे देश की खुलकर आलोचना करते हैं।
- **मनगढ़ंत या हेरफेर किए गए तथ्य:** गलत ब्यौरे जैसे कि मनगढ़ंत टाइमलाइन, स्थान, नाम या स्रोत जो लोगों को भ्रमित करने और धोखा देने के लिए जानबूझकर शामिल किए जाते हैं।
- **नकली या छेड़छाड़ किए गए फ़ोटो और वीडियो:** ऐसी छवियां या वीडियो जो देखने वालों को धोखा देने के इरादे से डिजिटल तरीके से निर्मित या हेरफेर किए गए हों (इसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग भी शामिल है)।
- **समन्वित आवर्धन:** भ्रामक सामग्री को जानबूझकर बड़े पैमाने पर अकाउंट्स, बॉट्स या वेबसाइट्स के नेटवर्क द्वारा साझा करना, ताकि यह वास्तविक से ज़्यादा भरोसेमंद या लोकप्रिय दिखे।
- **राज्य से जुड़ा मीडिया या अप्रकटित संबंध:** स्वयं को स्वतंत्र दिखाने वाले लेकिन विदेशी सरकारों से जुड़े संस्थान, वेबसाइट या सोशल मीडिया अकाउंट द्वारा निर्मित सामग्री।
- **व्यंग्य या पैरोडी का दुष्प्रचार के रूप में दुरुपयोग करना:** व्यंग्य या पैरोडी वाली सामग्री का उपयोग लोगों को गुमराह करने और उनके विचारों पर असर डालने के इरादे से किया जाता है, कभी-कभी यह समन्वित दुष्प्रचार अभियानों का एक भाग होता है।

आप जो देखते हैं उस पर विचार करें

जाँच करें:

- **क्या जानकारी किसी भरोसेमंद स्रोत से आई है,** और क्या दूसरी भरोसेमंद समाचार साइटें भी वही जानकारी दे रही हैं। अधिक जानकारी के लिए नेटसेफ का ['हाउ टू स्पॉट फेक न्यूज़ \(झूठी खबर कैसे पहचानें\)'](#) संसाधन देखें।
- **मूल कहानी या जानकारी कहाँ दिखी थी,** और इसे कौन आगे बढ़ा रहा है या साझा कर रहा है।
- **लेखक कौन है और उसकी पृष्ठभूमि, प्रयोजन या हित क्या हो सकते हैं** (उदाहरण के लिए, क्या वे कोई विशेष दृष्टिकोण बताने, मनाने, बढ़ावा देने या लोगों की राय पर असर डालने की कोशिश कर रहे हैं)।

विचार करें:

- **ठहरने पर-** अगर सामग्री कोई तेज़ भावनात्मक प्रतिक्रिया प्रेरित करे (उदाहरण के लिए, तुरंत कार्यवाही, डर, या आक्रोश)।
- **सवाल करें कि** वह सामग्री क्यों बनाई या साझा की गई होगी, (उदाहरण के लिए, राय बदलने, क्लिक पाने या तुरंत कार्यवाही के लिए)।
- **सोचें कि** उस जानकारी पर विश्वास करने या उसे साझा करने पर किसे लाभ होगा।

उदाहरण के लिए, अगर आप कोई ऐसी पोस्ट देखें जिसमें लिखा हो कि 'इसे अभी साझा करें इससे पहले कि इसे हटा दिया जाए,' तो आपको रुककर सोचना चाहिए कि इसे क्यों साझा किया जा रहा है।

जब आपको कोई दुविधा हो तो क्या करें

याद रखें कि कोई सामग्री दुष्प्रचार है या नहीं, इसकी तुरंत पहचान न कर पाना एक सामान्य बात है।

जानकारी साझा करने से पहले थोड़ा समय लेने से आपको उसकी सत्यता पर विचार करने, तथ्यों की जाँच करने और कुछ गलत जानकारी आगे फैलाने से बचने का मौका मिल जाता है।

आप भरोसेमंद लोगों, जैसे कि परिवार के सदस्यों या मित्रों से भी बात करके उस जानकारी के बारे में उनके विचार समझ सकते हैं।

विदेशी देशों और उनके प्रॉक्सी द्वारा दुष्प्रचार का उपयोग

विदेशी देशों और उनके प्रॉक्सी द्वारा किए जाने वाले दुष्प्रचार की कुछ पहचानयोग्य विशेषताएं नीचे दी गई हैं:

- **तीव्र भावनाएं जगाती हैं** महत्वपूर्ण तथ्य या सबूत जानबूझकर छोड़ कर ताकि क्रोध, डर या आक्रोश भड़क उठे।
- **जानकारी को भ्रामक तरीके से या बढ़ा-चढ़ाकर पेश करते हैं** ताकि कोई प्रतिक्रिया शुरू हो या तेजी से फैले।
- **भावुकता वाली भाषा का उपयोग करना** जो पाठकों को जानकारी देने के बजाय उनमें प्रतिक्रिया प्रेरित करने के लिए हो।
- **स्पष्ट पक्षपात दिखाना या पूर्वाग्रहों पर निर्भर रहना** किसी मामले या समूह के बारे में लोगों की सोच प्रभावित करने के लिए।
- **भिन्न दृष्टिकोणों या नज़रियों को हटा देना**, मामले का सिर्फ़ एक ही पहलू दिखाने के लिए।
- **गलत, हेर-फेर की गई या पुरानी जानकारी को** इस तरह शामिल करना जैसे कि वह सही हो।
- **वर्तनी या व्याकरण की काफी गलतियाँ होना**, जिनसे अंदाजा लग सकता है कि विश्वसनीयता कम है, या सामग्री को काफी जल्दबाजी में बनाया गया है।
- **कम-कालिटी वाले, संपादित या संदर्भ से हटकर तस्वीर या वीडियो का उपयोग करना** भ्रामक जानकारी का समर्थन करने के लिए।

अपने सोशल मीडिया फ़्रीड पर नियंत्रण रखें

अगर कोई सोशल मीडिया अकाउंट गलत या भ्रामक जानकारी साझा करता है:

- **अकाउंट को ब्लॉक या अनफॉलो कर दें** वैसी अन्य सामग्री को रोकने के लिए।
- **सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अकाउंट की रिपोर्ट करें**, ऑनलाइन हानिकारक सामग्री कम करने में सहायता के लिए।

दुष्प्रचार की रिपोर्ट कैसे करें

आप हानिकारक या गलत ऑनलाइन सामग्री की रिपोर्ट कर सकते हैं:

- [नेटसेफ की वेबसाइट पर](#) दुष्प्रचार की, और अन्य हानिकारक सामग्री की रिपोर्ट करें।
- अगर मीडिया सामग्री भ्रामक है या प्रसारण नियमों का उल्लंघन करती है, तो [न्यूज़ीलैंड मीडिया काउंसिल](#), या [एडवर्टाइजिंग स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी](#) में शिकायत करें।
- **प्लेटफ़ॉर्म पर रिपोर्टिंग सुविधाओं का उपयोग करके** सोशल मीडिया पर दुष्प्रचार की रिपोर्ट करें।

नेटसेफ के बारे में अधिक जानें

[नेटसेफ](#) न्यूज़ीलैंड का एक स्वतंत्र, अलाभकारी ऑनलाइन सुरक्षा संगठन है, जो न्यूज़ीलैंड के लोगों को ऑनलाइन सुरक्षा सहायता, विशेषज्ञता और शिक्षा प्रदान करता है, [जिसमें बच्चे और युवा, अभिभावक और देखभालकर्ता, वयस्क और वृद्ध लोग शामिल हैं।](#)

हेडस्पेस इनवेडर्स

[हेडस्पेस इनवेडर्स](#) एक इंटरैक्टिव प्लेटफ़ॉर्म है जो 12 से 16 वर्ष के युवाओं को ऑनलाइन सामग्री देखते समय आत्मविश्वास और महत्वपूर्ण विचार कौशल विकसित करने में सहायता करता है, ताकि युवा ऑनलाइन हेराफेरी, दबाव और हानि को पहचान सकें।